[This question paper contains 3 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 8175 **Your Roll No...............**

Unique Paper Code : 52051317

Name of the Paper : हिन्दी भाषा और साहित्य 'ग'

Name of the Course : **B.Com. (Programme)**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** questions are compulsory.
3. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य है।
3. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए- (10+10=20)

(क) बुढ़िया का क्रोध तुरन्त स्नेह में बदल गया, और स्नेह भी वह नहीं जा प्रगल्भ होता है और अपनी सारी कसक शब्दों में बिखेर देता है। यह मूक स्नेह था, खूब ठोस, रस और स्वाद से भरा हुआ। बच्चे में कितना त्याग, कितना सद्भाव और कितना विवेक है। दूसरों को खिलौने लेते और मिठाई खाते देखकर इसका मन कितना ललचाया होगा। इतना जब्त इससे हुआ कैसे? वहाँ भी इसे अपनी बुढ़िया दादी की याद बनी रही। अमीना का मन गदगद हो गया।

अथवा

मिस्टर शामनाथ सिगरेट मुँह में रखे, फिर अधखुली आँखों से माँ की ओर देखने लगे, और माँ के कपड़ों की सोचने लगे। शामनाथ हर बात में तरतीब चाहते थे। घर का सब संचालन उनके अपने हाथ में था। खूटियाँ कमरों में कहाँ लगाई जाएँ, बिस्तर कहाँ पर बिछे, किस रंग के पर्दे लगाएँ जाएँ, श्रीमती कौन-सी साड़ी पहने, मेज किस साइज की हो... शामनाथ की चिन्ता थी कि अगर चीफ का साक्षात माँ से हो गया, तो कहीं लज्जित नहीं होना पड़े।

(ख) ग्राम समस्याओं का निराकरण केवल मस्तिष्ट-बल से नहीं हो सकता। उसके लिए वास्तविक प्रत्यक्ष अनुभव की आवश्यकता है। यह अनुभव दूर से नहीं हो सकता, लिखित विवरणों और आँकड़ों से भी नहीं, पूछताछ या जाँच-पड़ताल और दौरा करने से भी नहीं, कारण विभिन्न प्रांतों के गाँवों की विभिन्न समस्याएँ है। कुछ समस्याओं में समानता है और कुछ में विपरीतता भी। बहुत संभव है कि एक जिले के गाँवों के साथ जो जटिल समस्याएँ हैं। कुछ समस्याओं में समानता है और कुछ में विपरीतता भी। बहुत संभव है कि एक जिले के गाँवों के साथ जो जटिल समस्याएँ लगी हुई हैं, वे दूसरे जिले के गाँवों के साथ न हों पर अधिकांश, कम-से कम- अस्सी प्रतिशत गाँव सारे देश में ऐसे ही हैं, जिनकी समस्याएँ और आवश्यकताएँ बहुत कुछ एक-सी हैं।

अथवा

काल की वस्तुगत सत्ता नहीं है। वह केवल बोझ या मनोविकार है। काल घटनाओं से छलकता है। वह घटनाओं को नापने का बोध माध्यम मात्र है। अत: महत्वपूर्ण यह नहीं कि कोई घटना कब घटी, किसी व्यक्ति की उम्र क्या है? वह बुड्ढ़ा है या किशोर? महत्त्वपूर्ण उसका दृष्टिकोण होता है। नयापन आधुनिकता का पर्याय नहीं। नया पुरातन पंथी भी हो सकता है।

2. हिन्दी गद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (12)

अथवा

हिन्दी कहानी की संक्षिप्त परिचय दीजिए।

3. ईदगाह अथवा चीफ की दावत कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए। (12)

4. 'गाँव की अनिवार्य आवश्यकताएँ निबंध की समीक्षा कीजिए। (12)

अथवा

'ज़बान' निबन्ध का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

5. 'विष्णु प्रभाकर कृते बापसी' की मूल संवेदना लिखिए। (12)

अथवा

"गिल्लू" रेखाचित्र में महादेवी और गिल्लू के आत्मीय सम्बंध को स्पष्ट कीजिए।

6. किसी एक विषय पर टिप्पणी लिखिए- (7)

1. भारतेन्दु युगीन निबन्ध,
2. हिन्दी संस्मरण,
3. प्रसादयुगीन नाटक।

(300)